एसकेआरएयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

राष्ट्रीय कृषि नीति बनाने में अपने अनुसंधानों को साझा करे कृषि विश्वविद्यालय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ।

मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि भारत में औसत किसान की आमदनी कम है। किसानों के पास छोटी जोत लायक कृषि यंत्र नहीं होने के कारण कृषि उत्पादन की लागत को कम करने में हम सफल नहीं हो पाए हैं। कृषि में आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ आदानों की लागत कम करने, आय के अतिरिक्त स्रोत यथा पशुपालन, मशरूम उत्पादन, मछली पालन, ट्राइकोडर्मा इकाई, केंचुआ खाद उत्पादन, कृषि उत्पादन का मूल्य संवर्धन आदि करने की आवश्यकता है। कृषि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि नीति बनाने में अपने अनुसंधानों को साझा करना चाहिए।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि संगोष्ठी में पशु आहार बैंक बनाने का सुझाव आया है, जिसके लिए साईलेज बनाने की प्रक्रिया को किसानों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलवाने के लिए किसान उत्पादक संगठन बनाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि ई मार्केटिंग पर अपने उत्पाद बेचकर अच्छी आय प्राप्त कर सकें।

पांच सत्रों में 40 मौखिक पत्र वाचन

संगोष्ठी संयोजक डॉ. आई.पी. सिंह ने बताया कि इस संगोष्ठी में पांच सत्रों में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने 40 मौखिक पत्र वाचन किए। संगोष्ठी में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने मिलेट्स के उत्पादन व प्रसंस्करण से किसानों की आय वृद्धि पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में विभिन्न पत्र वाचन में यह बात सामने आई कि आमदनी बढ़ाने के लिए किसानों को लो टनल व संरक्षित खेती कर अगेती फसल लेकर आय बढ़ानी चाहिए। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र बीकानेर के निदेशक डॉ. ए. साहू ने कहा कि रेगिस्तानी इलाकों में उष्ट्र आधारित पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। संगोष्ठी में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, डॉ. एस.एम कुमावत, डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. विमला डुकवाल ने अपने विचार रखे।

सुझाव के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

बेस्ट यंग साइंटिस्ट का अवार्ड डॉ. सुशील को

संगोष्ठी में बेस्ट यंग साइंटिस्ट का अवार्ड मृदा वैज्ञानिक डॉ. सुशील खारिया को दिया गया। मौखिक पत्र वाचन में प्रत्येक थीम में सर्वश्रेष्ठ वक्ता को पुरस्कृत किया गया। जयपुर के डॉ. अनूप मंगलसेरी, डॉ. सीमा त्यागी, डॉ. केशव मेहरा एवं डॉ. डी. एस. शेखावत, डॉ. आर. एस. शेखावत तथा डॉ. प्रियंका गौतम को पुरस्कृत किया गया। पोस्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न सत्रों में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रियंका कुमावत, रवीना, बृजेंद्र सिंह यादव, नीतू चौधरी व चेतन शर्मा को दिए गए।

'देश में कृषि के समक्ष गंभीर चुनौतियां'

राज्यपाल ने किया कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

बीकानेर/निजी संवाददाता

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण : राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण किया। छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण कर यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।